



# SSC GD 2025



## अवसर बैच

# हिंदी

वाक्यांश

(अनेक शब्दों के लिये एक शब्द)

Part -4

LIVE 20-06-2024 06:00 PM



116. 'भला चाहने वाला'

- हितैषी

117. जिसके पास घर न हो

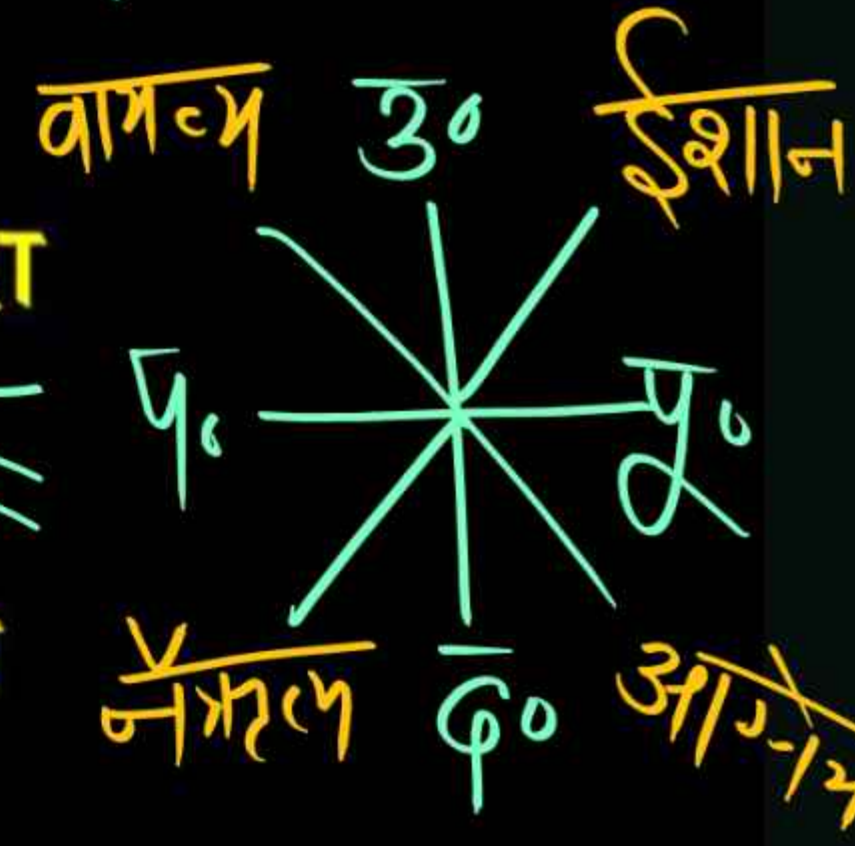
- अनिकेत

118. 'जिस स्त्री के पुत्र और पति न हो

- अवीरा

119. पूरब और उत्तर के बीच की दिशा

- ईशान



120. 'जो धरती फोड़कर जन्मता हो'

- उद्भिज

121. 'अच्छे कुल में जन्म लेने वाला'

- कुलीन

122. 'पैसे से मनुष्य की जीवन जीने की इच्छा बलवती होती है।'

- जिजीविषा

123. 'तर्क के द्वारा जो माना गया हो'

- तर्कसंगत

124. 'जो देने योग्य है'

जो देने योग्य नहीं है → अदेय

- देय

125. रात में विचरण करने वाली प्राणी को

- निशाचर

126. 'बिना पलक झपकाए'

- निर्निमेष

127. 'गिरा हुआ'

पृथ्वी में गिरा चुका है → पार्थिव

- पतित

128. पाप करने के बाद स्वयं दण्ड पाना।

- प्रायश्चित

129. 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द का वाक्यांश होगा - जो तत्काल सोचकर उत्तर दे सके

130. प्राणदा के लिए अनेक शब्द हैं

- 'जीवन देने वाली दवा

131. 'प्रज्ञाचक्षु' के लिए वाक्यांश-

- बुद्धि जिसका नेत्र हो

132. 'खाने की इच्छा है' के लिए

- बुभुक्षा

133. भूमि के अन्दर की जानकारी रखने वाले को

- भूगर्भवेत्ता

134. 'मोक्ष की कामना करने वाला'

- मुमुक्षु

↓  
बंधन से मुक्त

135. जो हर समय अपना मतलब साधता हो,

- मतलबी/स्वार्थी

136. दूसरों की बातों में दखल देना

- हस्तक्षेप

15 दिन की  
प्राथमिक

137. अनेक युगों से चले आने वाले '

- सनातन

7 दिन की  
सामान्य

138. 'सौ वर्षों का समूह '

100 वर्ष

- शताब्दी

100 वर्ष

उच्च - माध्यमिक

139. शैव कहते हैं-

- जो शिव की उपासना करता है।

140. 'दोपहर के बाद का समय' के लिए

- अपराह्न

141. 'अनुगृहीत' शब्द के लिए

- जो अनुग्रह से युक्त हो

142. 'जिसे बुढ़ापा न आये' वाक्यांश के लिए

- अजर

143. 'जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए, उसे कहेंगे

- आशुतोष

शिव

144. 'जिसे ईश्वर में विश्वास है' के लिए

- आस्तिक

जिसे ईश्वर में विश्वास नहीं है

→ नास्तिक

145. 'ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो'

- आशुकवि

146. 'चन्द्रमा' तथा 'ब्राह्मण' के लिए एक शब्द है -

द्विज

अभावस्था (काल) पूर्णिमा (अभाव)

उस में पाल पड़कर जिसका जन्म दो बार होता है।

147. 'वन में लगने वाली आग' के लिए

- जैह की अग्नि → जलराग्नि

जला की आग → वसवाग्नि

148. 'अभी-अभी जन्म लेने वाला'

प्रेम की अग्नि → विरहाग्नि ✓

149. 'नगर में रहने वाला'

150. 'जिसका कोई आकार न हो'

- दावाग्नि

दावानल ✓

- नवजात

- नागर ✓

- निराकार

151. 'पीने की इच्छा' को कहते हैं-

- पिपासा

152. 'जो युद्ध में स्थिर है' उसे कहते हैं

- युधिष्ठिर

153. जो बहुत बोलता हो

- वाचाल

जो ग्राम में रहता हो → ग्रामीण

154. 'वीर पुत्र को जन्म देने वाली' स्त्री

- वीरप्रसू

155. 'वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो' वह है - वियोगिनी / विरहिणी!

156. 'जो दोहराया न गया हो'

- अनावर्त

जो दोहराया गया ही → आवृत

✓✓✓ 157. 'किसी शुभकार्य को विधिविधान और श्रद्धापूर्वक करना' -

अनुष्ठान → ✓

✓✓✓ 158. जिसे बुलाया न गया हो -

अनाहूत

जिसे बुलाया गया है → आहूत ✓

✓✓✓ 159. रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान -

नेपथ्य

160. हवन में जलाने वाली लकड़ी

- समिधा ✓

161. पेट की अग्नि

- जठराग्नि

162. जो हमेशा रहने वाला है

हमेशा नहीं रहने वाला →

- क्षणिक

- शाश्वत

163. जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है

- विपत्नीक

164. तैरने की इच्छा

- तितीर्षा

165. हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले

- हौदा

घोड़े के ऊपर बैठी के लिए लगाया जाने वाला - जान

166. अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट

- कृतार्थ

167. बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत -

लोरी

168. जो नभ में चलता है

- खेचर

169. बढ़ा-चढ़ा कर कहना

किसी बात की लोक सीमा से बढ़ा-चढ़ाकर कहना →

- अतिशयोक्ति

अतिशयोक्ति

170. 'जो क्षीण न हो सके

जिसकी मिला न जा सके →

- अक्षय

क्षीण न हो सके है -

अक्षय / क्षय

171. जिसके सिर पर चन्द्र हो

- चन्द्रशेखर

172. झगड़ा लगाने वाला मनुष्य को कहते हैं

- नारद

173. जो कठिनाई से मिलता हो

- दुष्प्राप्य, दुर्लभ

जो आराम से मिलता है - सुलभ

174. बहुत सी भाषाओं को जानने वाला

- बहुभाषाविद्

175. मदिरा पीने का प्याला

- चषक

20/06